आदर्श प्रश्नपत्र 2021–22
विषय–संस्कृत
कक्षा–9

समय – 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक – 70**

निर्देश :–

1– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

2– प्रश्नपत्र दो खण्डों में विभाजित है – खण्ड–'अ' तथा खण्ड 'ब'।

3– प्रश्नपत्र के खण्ड 'अ' में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें से सही विकल्प का चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखा जाय तथा खण्ड–'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न है।

4– प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

खण्ड 'अ'
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न संख्या 1–3 गद्यांश आधारित प्रश्न हैं। गद्यांश को ध्यान से पढ़े और उत्तर का चयन करे :–

एकदा चन्द्रशेखरः तस्यैवोद्यानस्य फलमेकं पितरमपृष्ट्वैव अत्रोटयत्। क्रोधाविष्टस्तज्जनकः सीतारामः प्रियं सुतमेकादशवर्षदेशीयं चन्द्रशेखरं गृहान्निस्सारयामास। क्रोधाविष्टः जनकः अवोचत्, गत्वा मालाकारं क्षमां याचस्व, परं स एवं कर्तुं नोद्यतः। गृहान्निर्गत्य वर्षद्वयमितस्ततः सः प्रतिनगरं भ्रामं–भ्रामं घोरं श्रमं कृत्वा जीविकां निरवहत्।

1– उक्त गद्यांश का शीर्षक है – 1

क– आदिकविः वाल्मीकिः
ख– आजादः चन्द्रशेखरः
ग– परमवीरः अब्दुलहमीदः
घ– भारतवर्षम्

2– सीतारामः कं गृहान्निस्सारयामास। 1

क– जनकम्
ख– मालाकारम्
ग– चन्द्रशेखरम्
घ– फलम्

3– घोरं श्रमं कृत्वा कः जीविकां निरवहत्। 1

क– सीतारामः
ख– चन्द्रशेखरः
ग– मालाकारः
घ– इनमें से कोई नहीं

4– 'रामस्य पितृभक्तिः' पाठ अयोध्याकाण्ड के ..... सर्ग से संकलित है। 1

क– 17वें और 18वें
ख– 18वें और 19 वें
ग– 19 वें और 20 वें
घ– इनमें से कोई नहीं।

5– 'स्त्रियः श्रियो गृहस्योक्ताः' सूक्ति ..... पाठ से है। 1

क– रामस्य पितृभक्तिः
ख– भारतदेशः
ग– नारी महिमा
घ– नीतिनवनीतम्

6– 'सम्प्राप्य भारते जन्म सत्कर्मसु पराङ्मुखः का अर्थ है –– 1

क– भारतवर्ष में जन्म लेकर शुभ कर्मों से विमुख रहता है।
ख– यदि हमारे स्वर्ग के सुखों में कुछ भी शेष रह गया हो।
ग– अमृत के घड़े को प्राप्त करके भी विष के घड़े की इच्छा करता है।
घ– जो भारत के आगन में जन्म पाये हैं उन्होनें कौन से शुभ कर्म किये हैं?

7– श्लोक के आधार पर शुद्ध पंक्ति का चयन कीजिए – 1

क– पुरूषाः सततं प्रियवादिनः सुलभाः।
ख– सुलभाः राजन् पुरूषाः सततं प्रियवादिनः
ग– प्रियवादिनः पुरूषाः राजन् सततं सुलभाः।
घ– सुलभाः पुरूषाः राजन् सततं प्रियवादिनः।

8– जनकस्य होता ..... आसीत्? 1

क– गार्गी
ख– याज्ञवल्क्यः
ग– अश्वलः
घ– उद्दालकः

9– वायुः कुत्र? 1

क– अन्तरिक्षलोकेषु
ख– आदित्यलोकेषु
ग– चन्द्रलोकेषु
घ– देवलोकेषु

10– 'समागताः' का अर्थ है–– 1

क– आये हुए
ख– एकत्रित हुए
ग– साथ आये हुए
घ– साथ गये हुए

11– माहेश्वर सूत्रों की संख्या है – 1

क– 12
ख– 14
ग– 15
घ– 11

12– कण्ठ से उच्चरित वर्ण हैं – 1

क– इ च् छ् ज्
ख– अ क् ख् ग्
ग– उ प् फ् ब्
घ– ट् ठ् ड् ढ्

https://www.evidyarthi.in/

13– अन्तःस्थ व्यंजन है – 1

क– क् ख् ग् घ्
ख– य् र् ल् व्
ग– त् थ् द् ध्
घ– श् ष् स् ह्

14– भानूदयः का सन्धि–विच्छेद है – 1

क– भानू + दयः
ख– भानु + उदयः
ग– भानू + उदयः
घ– भानु + दयः

15– 'रमायाः' पद 'रमा' शब्द के किस विभक्ति और वचन का रूप है – 1

क– द्वितीया एकवचन
ख– चतुर्थी एकवचन
ग– षष्ठी बहुवचन
घ– षष्ठी एकवचन

16– 'पठ्' धातु का लङ् लकार मध्यम पुरूष एकवचन है – 1

क– पठसि
ख– अपठः
ग– पठिष्यसि
घ– पठ

17– 'पादेन खञ्जः' का समस्त पद है – 1

क– पादेनखञ्जः
ख– पादखञ्जः
ग– खञ्जः पादेन
घ– पादखञ्जेन

18– 'रामाय पठनं रोचते' रेखांकित पद में कारक है – 1

क– कर्ता कारक
ख– कर्म कारक
ग– करण कारक
घ– सम्प्रदान कारक

19– अनु+भवति का अर्थ है –– 1

क– अनुभव करता है
ख– निकलता है
ग– होता है
घ– कोई नहीं

20– 'गच्छति' पद में निर् उपसर्ग लगाने पर – 1

क– निर्गच्छति
ख– निरगच्छति
ग– निर्गच्छति
घ– निरागच्छति

खण्ड – ब
वर्णनात्मक प्रश्न

निर्देश – सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1– निम्नलिखित गद्यांशो में से किसी एक गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद कीजिएः 4

(क) सत्पुरूषो महात्मा रविदासः स्वकर्मणि निरतः सन् परमात्मनो माहात्म्यमुपवर्णयन् दुःखितान् जनान्प्रति सदयहृदयः कर्मणः प्रतिष्ठां लोकेऽस्थापयत्। धर्मस्य बाह्याचारः एव परस्परवैरस्य हेतुरिति सः विश्वसिति स्म। अतो बाह्याचारान् परिहाय धर्माचरणं विधेयम्। गङ्गास्नानाच्छरीरशुद्धेरपेक्षया मनसः शुद्धिरावश्यकीति तेनोक्तम्। पूते तु मनसि काष्ठस्थाल्यामेव गङ्गेति तस्योक्तिः प्रसिद्धैवास्ति।

(ख) गङ्गायाः न केवलं भारतवर्षे अपितु निखिलविश्वस्य नदीषु महत्वपूर्ण स्थानं वर्तते। इयं रवलु भारतीयप्राणिनां जीवनप्रदा सुखशान्तिसमृद्धविधायिनी च नदीति नास्ति सन्देहकणिकावलेशः। यतो हि भारतीयानां मतानुसारमियं न केवलमैहिकानि सुखान्येव वितरित परञ्च पारलौकिकं लक्ष्यमपि पूरयति। सुरधुन्यामस्यानवगाहनेन जलस्पर्शेन अथ च नामसंकीर्तनमात्रेण मानवो धन्यो जायते।

2– निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी एक शीर्षक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए : **(अधिकतम 80 शब्द) –** 4

क– आदिकविः वाल्मीकिः
ख– परमवीरः अब्दुलहमीदः
ग– भारतीयसंविधानस्य निर्माता डॉ0 भीमरावरामजी आंबेडकरः

3– निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक की हिन्दी में व्याख्या कीजिएः 4

क– चिन्तयामास चतुरो रामः पितृहिते रतः।
किंस्विदद्यैव नृपतिर्न मां प्रत्यभिनन्दति।।

ख– दिवसेनैव सत्कुर्याद् येन रात्रौ सुखं वसेत्।
अष्टमासेन तत् कुर्याद् येन वर्षाः सुखं वसेत्।।

4– निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक सूक्ति की हिन्दी में व्याख्या कीजिएः 3

क– रामो द्विर्नाभिभाषते।
ख– यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता।
ग– अप्रियस्य तु पथ्यस्य वक्ता श्रोता च दुर्लभः।

5– निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक का अर्थ संस्कृत में लिखिएः 4

क– सञ्चितं सुमहत् पुण्यमक्षय्यममलं शुभम्।
कदा वयं नु लप्स्यामो जन्म भारतभूतले।।

ख– वृत्तं यत्नेन संरक्षेद् वित्तमायाति याति च।
अक्षीणो वित्ततः क्षीणो वृत्ततस्तु हतो हतः।।

https://www.evidyarthi.in/

6– 'गार्गी –याज्ञवल्क्यसंवादः' के आधार पर गार्गी का चरित्र–चित्रण लिखिए (अधिकतम 80 शब्द)। 6

7– निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक का सन्धि–विधायक सूत्र लिखिए – 2

क– रमेशः

ख– प्रत्येकम्

ग– इत्यादि

घ– सज्जनः

8– निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक का पञ्चमी एकवचन लिखिए – 2

क– राम

ख– गुरु

ग– रमा

घ– वाच्

9– निम्नलिखित पदों में से किसी एक का पुरूष लिखिए – 2

क– पठेत्

ख– भविष्यति

ग– शक्नोतु

घ– अपृच्छम्

10– निम्नलिखित पदों में से किसी एक का समास–विग्रह कीजिए – 2

क– हरित्रातः

ख– पितापुत्रौ

ग– राजपुरूषः

घ– पाणिपादम्

11– निम्नलिखित रेखांकित पदों में से किसी एक विभक्ति का सूत्रोल्लेख कीजिए– 2

क– बालः <u>शय्यां</u> अधिशेते।

ख– <u>ग्रामम्</u> अभितः आम्रवृक्षाः सन्ति।

ग– श्री <u>गणेशाय</u> <u>नमः।</u>

12– निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद लिखिए– 2×3=6

क– वह पुस्तक पढ़ता है।

ख– मैं विद्यालय जाऊँगा।.

ग– तुम लोग लिखो।

घ– छात्र चला गया।

ड.– बालक फल खाता है।

13– शुल्क जमा करने हेतु पिता से रुपये भेजने के लिए दिये गये पत्र में रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये शब्द–मञ्जूषा से कीजिए : 5

पूजनीयाः पितृचरणाः
सादरं नमामि

सकुशलोऽहं कुशलं प्रार्थये.....शुभाशिषा सावधानतया अध्ययनरतः अस्मि। निवेदनमस्ति यत् अस्मिन् वर्षे .....मासस्य प्रथम दिनाङ्कतः विद्यालयस्य सत्रारम्भः जायते। .....मासयोः शुल्कः देयः अस्ति। अतः पञ्चशतं .....प्रेषयितुम् अनुकंप्यताम्। मात्रे सादरं ..... अनुजाय च आयुष्कामना।

दिनाङ्क–

भवदाज्ञाकारी पुत्रः

मञ्जूषा –

क ख ग

रूप्यकाणि प्रणामाः भवतः
मई मई–जून

14– निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयाग कीजिए। 2×2=4

क– विद्यालयम्
ख– सदा
ग– अत्र
घ– एकदा
ड.– गच्छति

https://www.evidyarthi.in/